संत गुरमुख सिंह दर्जी ग्राहकों के कपड़े सिलाई करते हुए।
मन में चिन्ता सता रही थी एक ही बेटा है
जिसकी आयु 30 वर्ष है, जो बीमार पड़ गया।

यह घटना आज से लगभग 15 वर्ष पहले फाजिल्लका में घटी थी। संत गुरमुख सिंह अपनी दर्जी की दुकान चलाकर अपने परिवार का गुजारा करते थे।
संत गुरमुख सिंह जी के पुत्र की ब्रेन हेमरेज से मृत्यु हो गई। शोक समाचार सुनकर रिश्तेदार घर में एकत्र हो गये, घर में मातम छा गया।

संत गुरमुख सिंह के घर में अंधकार छा गया और भविष्य अंधकारमय हो गया।
हे सतिगुरु जी ! हमारे भविष्य का क्या होगा, हमारे बुढ़ापे का तो कोई सहारा ही नहीं रहा। आगे आपकी रजा।

जिस दिन संत गुरमुख सिंह के पुत्र का भोग था काफी साध संगत एकत्र हुई थी।
कूके तो कहते हैं कि हमारे सतिगुरु जी श्री गुरु नानक देव जी की गद्दी पर बैठे हुए है, उन्हें अर्ज करो कि वे तुम्हें एक पुत्र दे दें। हम भी देखेंगें कि तुम्हारे ऊपर कैसी कृपा होती है।
ज्ञानी जी, आपको ऐसे शब्द हमारे सतिगुरु जी के बारे में नहीं बोलने चाहिए। हम आगे ही बहुत दुखी है। अब आप कृपा करके यहां से चले जाईये,

संत गुरमुख सिंह और उनकी पत्नी रोते हुए श्री भैणी साहिब पहुंचे और श्री सतिगुरु जी के दरबार में माथा टेकते हैं।

हे गरीब निवाज! हमारे इकलौते पुत्र की मृत्यु हो गई है जो हमारे बुढ़ापे का सहारा था। उसकी इतनी ही आयु रही होगी।

काका जल्दी आयेगा

एक अकाली सिक्ख ने हमें कटाक्ष करते हुए कहा है कि अगर तुम्हारे सतिगुरु श्री गुरु नानक देव जी की गद्दी के असली वारिस है तो उन्हें कहो कि एक बेटे की दात दे दें। आप जी को यह कृपा करनी ही पड़ेगी आप ही हमारे परमपिता परमेश्वर है।

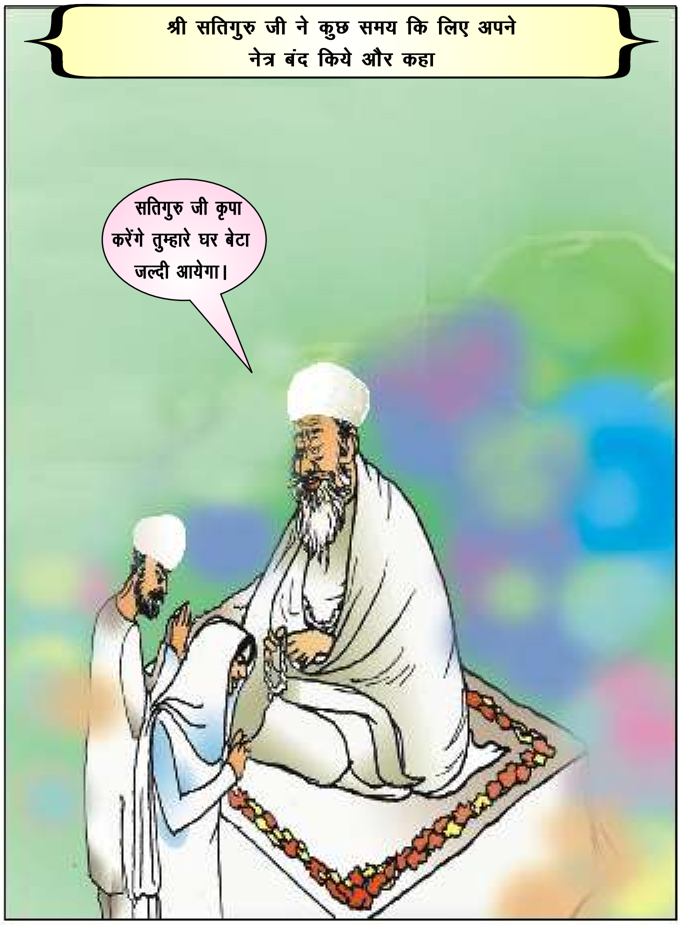
श्री सतिगुरु जी ने कुछ समय कि लिए अपने नेत्र बंद किये और कहा
सतिगुरु जी कृपा करेंगे तुम्हारे घर बेटा जल्दी आयेगा।

संत गुरमुख सिंह की पत्नी को भरोसा हो गया था कि हमारे घर बेटा आयेगा। पर सोचने लगी कि सबको पता है कि मेरी आयु 50 वर्ष की है और इस आयु में औरत बच्चा पैदा नहीं कर सकती।
श्री सतिगुरु जी कृपा करेंगे और मैं एक और पुत्र को जन्म दूंगी। मुझे अपने सतिगुरु जी के ऊपर पूर्ण भरोसा है जो समय के मालिक है और श्री गुरु नानक देव जी की गद्दी के वारिस है।

लगभग 20 दिनों के बाद संत गुरमुख सिंह के घर उनके पड़ोसी मिलने आते हैं।
संत जी हम बड़ी मुश्किल में फस गये है। मुझे इस दुख के समय आपको परेशान नहीं करना चाहिए था। मैने सोचा कि आपको खुशियां मिल जायेगी और मेरी समस्या हल हो जायेगी।
समस्या क्या है ? मैं आपकी क्या मदद कर सकता हूँ ?

हमारे अपने 5 बच्चे है और पास के पुलिस स्टेशन वाले हमें एक 4 वर्ष का अनाथ बच्चा भी सौंप गये हैं। जिसकी मां इसे पुलिस वालो को सौंप गई थी। इस अनाथ को आप रख लो, आपके घर रौनक लौट आयेगी।
आप आराम से बैठो आपकी बात पर विचार करते हैं।

बहन जी, 50 वर्ष की आयु में तो बच्चा पैदा होता नहीं ?
हमारे सतिगुरु जी कृपा करेंगे मैं अपना बच्चा स्वयं पैदा करुँगी।
अगर आपको अपने सतिगुरु पर इतना ही भरोसा है तो क्या पता यह बच्चा आपके सतिगुरु जी ने ही भेजा हो ?

संत गुरमुख सिंह जी अपनी घरवाली को समझाते हुए कह रहे हैं कि अपने पड़ौसी के घर जाकर अनाथ बच्चे को देखने में हर्ज क्या है ?

बड़ी मुश्किल से संत गुरमुख सिंह ने अपनी पत्नी को पड़ोसी के घर जाने के लिए मनाया और दोनों उस बच्चे को देखने गये। संत गुरमुख सिंह ने दरवाजा खटखटाया।

पड़ौसी ने संत गुरमुख सिंह जी और उनकी पत्नी को बैठाया।
सोनू इधर आ देख तेरे को मिलने कौन आये हैं ?

बच्चा कमरे में आ गया और संत गुरमुख सिंह और उनकी पत्नी को खड़ा होकर देखने लगा। उसे ऐसा प्रतीत हुआ कि शायद उसकी माँ आई हैं ?
यह अनाथ बच्चा कौन है ? पुलिस वाले इनको यहाँ क्यों छोड़ गये हैं ?

अचानक वह अनाथ बच्चा दौड़कर संत गुरमुख सिंह की पत्नी की गोद में बैठ गया।
मम्मी ! मम्मी ! तुम मुझे छोड़कर कहां चली गई थी। मैं तेरे बिना बहुत उदास हो गया था अब मुझे छोड़कर नहीं जाना।

उस माता की ममता जाग गयी और उसने उस अनाथ बच्चे को छाती से लगा लिया और दोनों की आंखों में आँसू बहने लगे।

यह बच्चा किसका है और कौन इसे थाने छोड़ गया था ?
इस बच्चे का पिता चोरी के इल्जाम में जेल में बंद है और इसकी माता किसी और मर्द के साथ चली गई है।

जाने से पहले इसकी माँ अपने इस जिगर के टुकड़े को थाने में दे गई।
जाते हुए यह कह गई कि इस बच्चे को ऐसे परिवार में देना जिसे बच्चे की जरुरत हो।
ये भी कह गई कि मैं अब कभी वापस नहीं आऊंगी और बच्चे को कभी नहीं मिलूंगी।

सतिगुरु जी ने मेरी अर्ज सुनकर मुझे बेटा दे दिया। अब हमारा बुढ़ापा आराम से गुजरेगा।
हे सतिगुरु जी, यह बच्चा आपका ही दिया हुआ है। आप कृपा करें यह नामधारी मर्यादा में हमेशा रहे। जब यह बड़ा हो जायेगा तो मैं राग विद्या सिखाने के लिए आपके चरणों में ले आऊंगा।

उस अनाथ बच्चे सोनू को संत गुरमुख सिंह और उनकी पत्नी ने पढ़ाया लिखाया।
SCHOOL

संत गुरमुख सिंह श्री सतिगुरु जी को याद करते हैं।
धन्य है श्री सतिगुरु जगजीत सिंह जी आपके कौतक निराले है। श्री सतिगुरु जगजीत सिंह जी श्री गुरु नानक देव जी की गद्दी के वारिस नहीं है तो और कौन है।

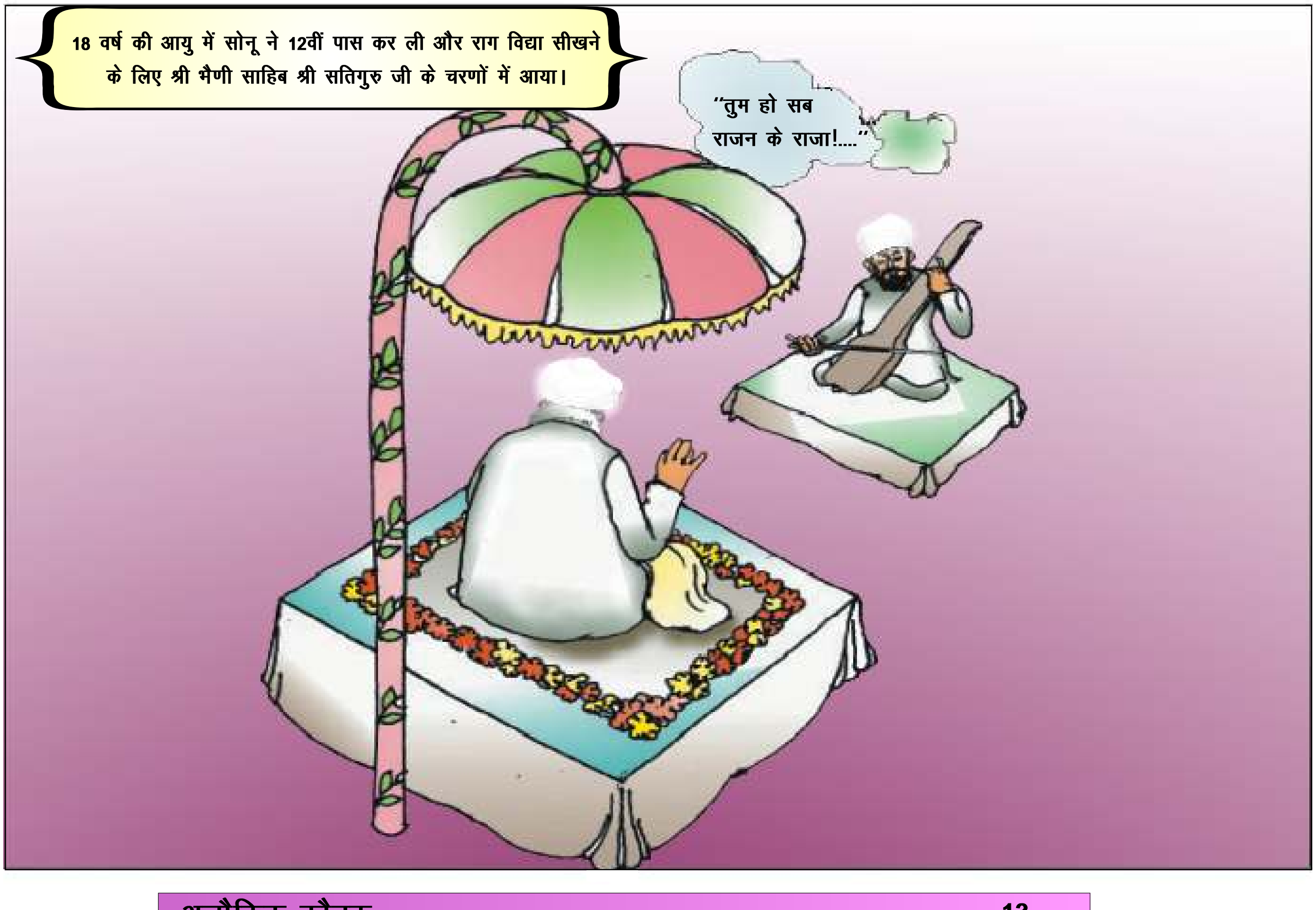
18 वर्ष की आयु में सोनू ने 12वीं पास कर ली और राग विद्या सीखने के लिए श्री भैणी साहिब श्री सतिगुरु जी के चरणों में आया।
"तुम हो सब राजन के राजा!...."